
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

भूसंसाधन तथा कृषि

गन्ना

अध्याय-3 | भाग-11

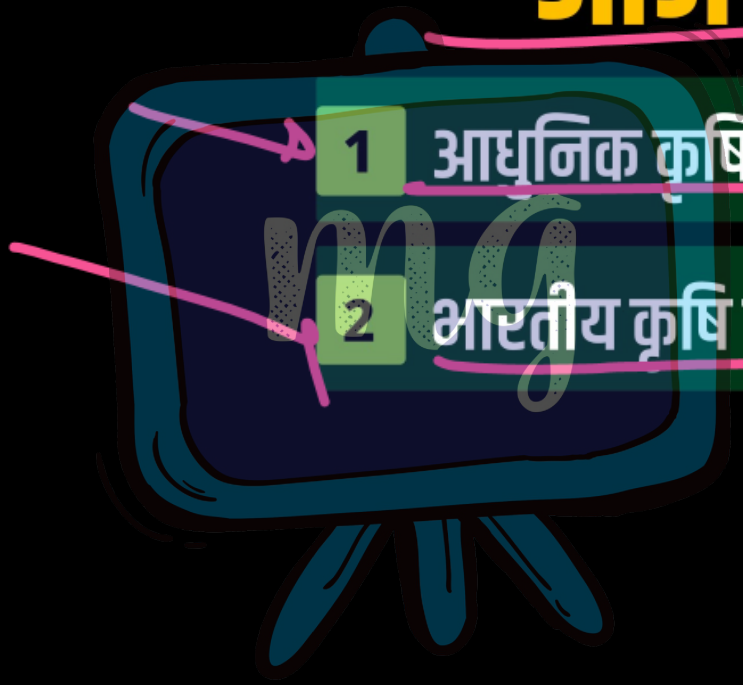
एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1. आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी का प्रसार
2. भारतीय कृषि की समस्याएँ

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कृषि उत्पादन में वृद्धि के कारण

- सिंचाई का प्रसार
- आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी का प्रयोग :-
  - बीजों की उत्तम किस्में
  - रासायनिक खाद
  - कीटनाशक
  - मशीनरी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी का प्रसार

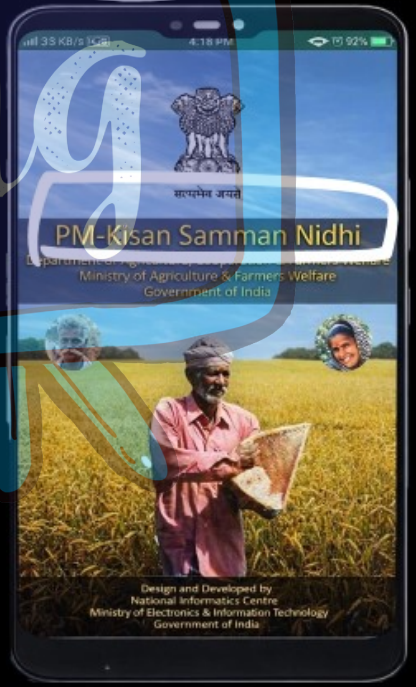
- पिछले 40 वर्षों में रासायनिक उवर्रकों की खपत में 15 गुना वृद्धि
- उत्तम बीज के किस्मों में कीट प्रतिरोधकता कम
- 1960 के दशक से कीटनाशकों की खपत में भी महत्वपूर्ण वृद्धि

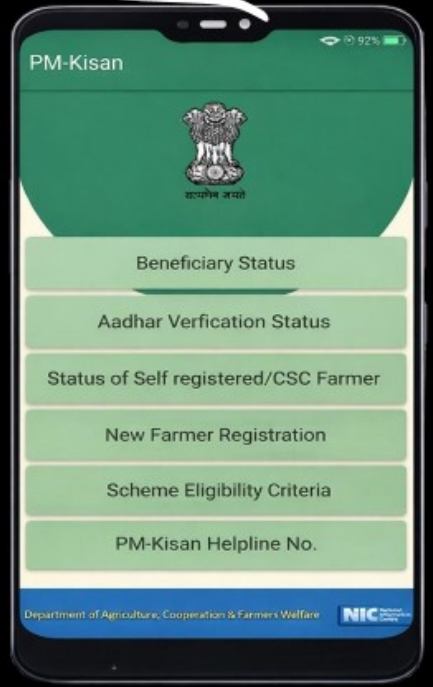


भारत का किसान पोर्टल

डिजिटल सखा

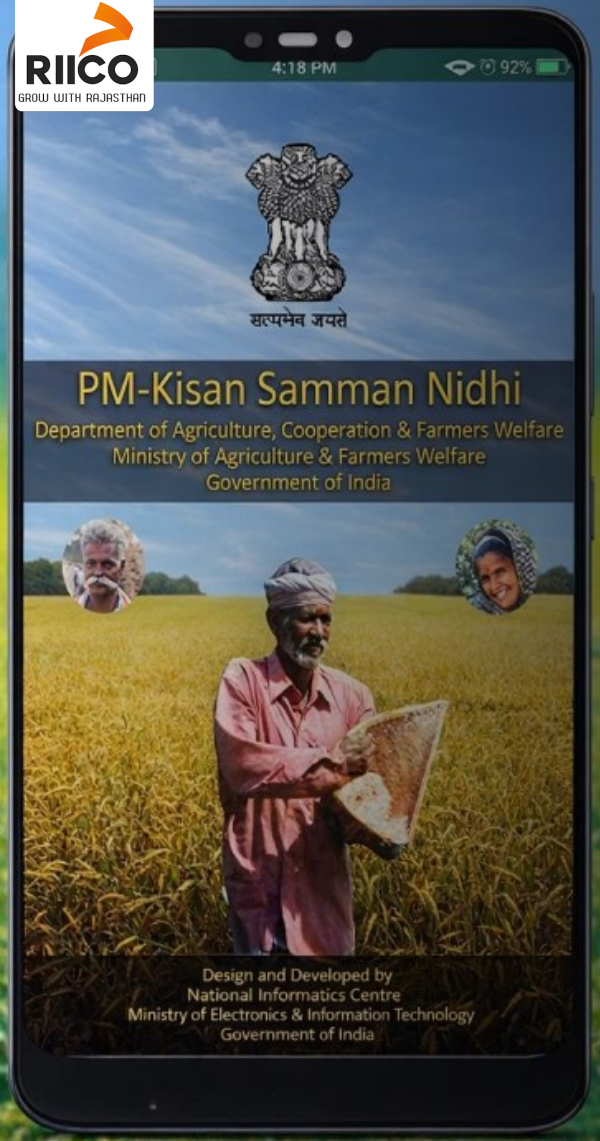
किसान पोर्टल किसानों के लिए एक मंच

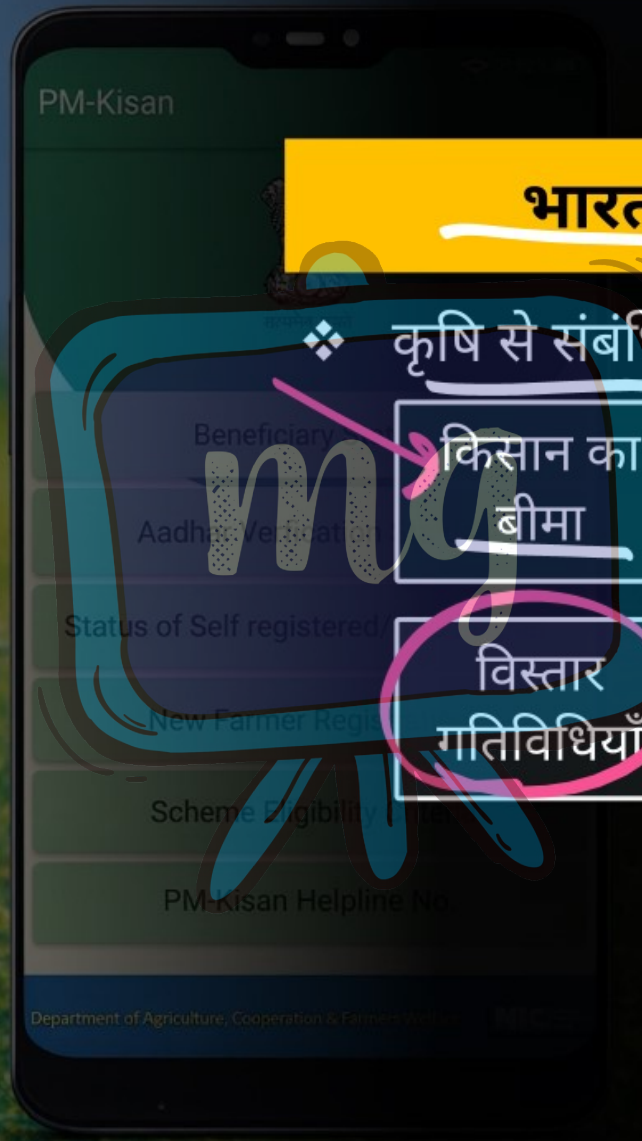




RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

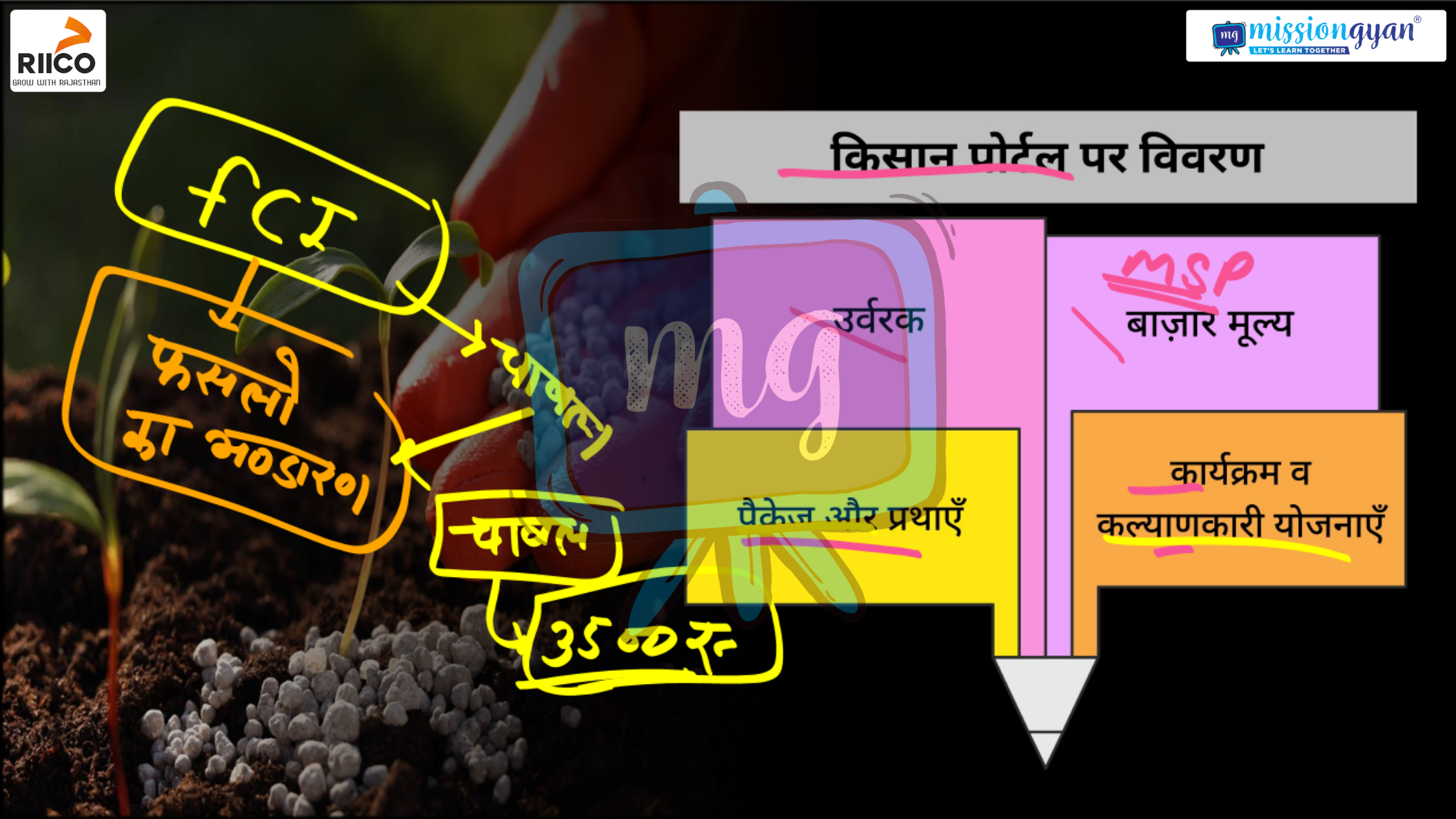




भारत का किसान पोर्टल

❖ कृषि से संबंधित किसी भी जानकारी हेतु

- किसान का बीमा
- कृषि भंडारण
- फसल
- विस्तार गतिविधियाँ
- बीज
- कीटनाशक
- कृषि मशीनरी


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
FCI
फसलों का भंडारण
धारण
खाद्य
3500 रु
किसान पोर्टल पर विवरण
उर्वरक
MSP
बाज़ार मूल्य
पैकेज और प्रथाएँ
कार्यक्रम व
कल्याणकारी योजनाएँ


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
इंटरेक्टिव मानचित्र में उपलब्ध
मिट्टी की उर्वरता
भंडारण
बीमा से संबंधित ब्लॉक स्तर का विवरण
प्रशिक्षण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

किसान पोर्टल से उपयोगकर्ता फार्म फ्रेंडली हैंडबुक, योजना दिशा-निर्देश आदि डाउनलोड कर सकते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



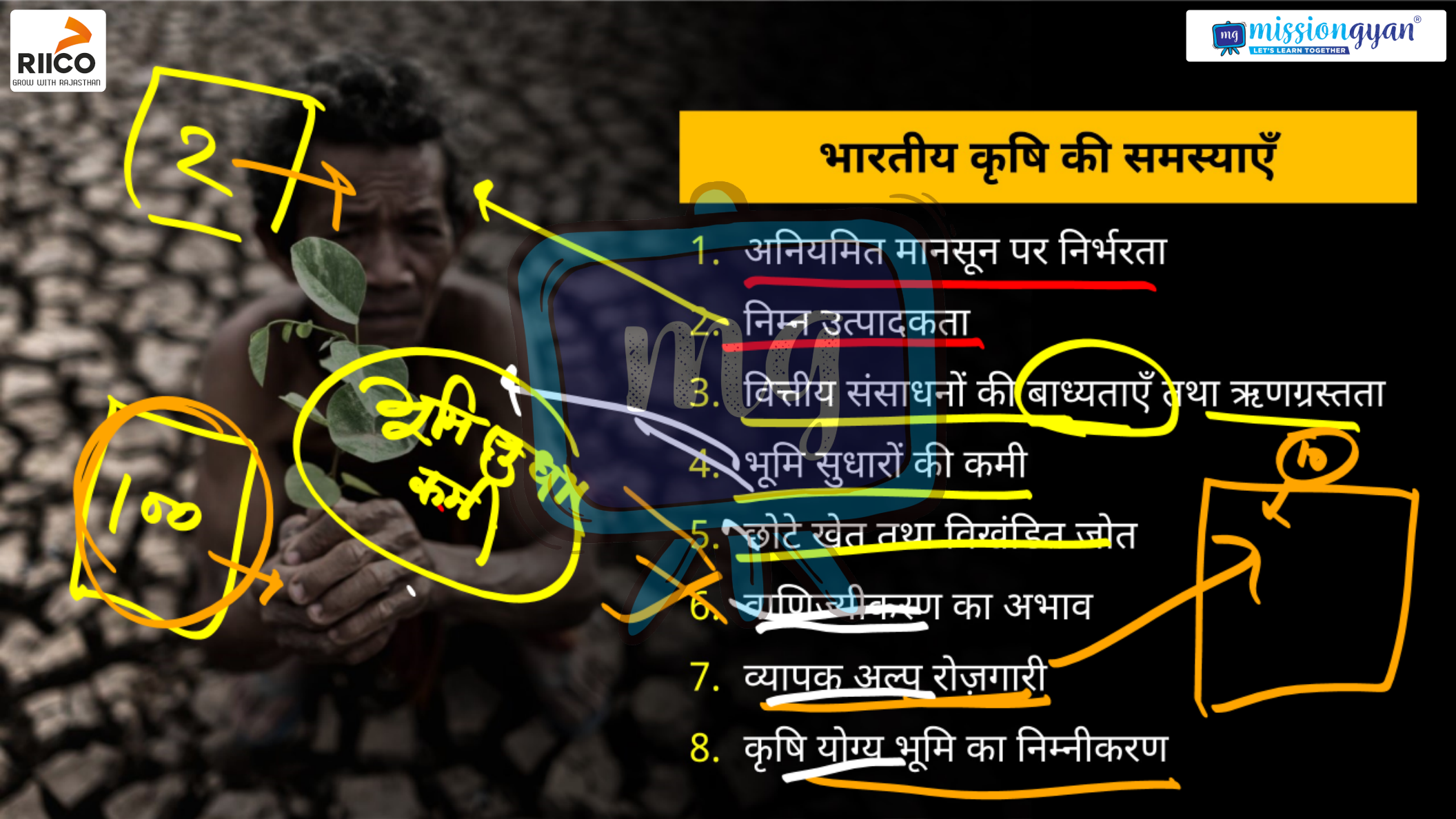
भारतीय कृषि की समस्याएँ

- देश की अधिकतर कृषि समस्याएँ प्रादेशिक
- कुछ समस्याएँ सर्वव्यापी
- भौतिक बाधाओं से लेकर संस्थागत अवरोध



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारतीय कृषि की समस्याएँ

1. अनियमित मानसून पर निर्भरता
2. निम्न उत्पादकता
3. वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता
4. भूमि सुधारों की कमी
5. छोटे खेत तथा विखंडित जोत
6. वाणिज्यीकरण का अभाव
7. व्यापक अल्प रोज़गारी
8. कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. अनियमित मानसून पर निर्भरता

- कृषि क्षेत्र का केवल एक-तिहाई भाग ही सिंचित
- शेष कृषि क्षेत्र में फ़सलों का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से वर्षा पर निर्भर
- मानसून की अनिश्चितता व अनियमितता से सिंचाई हेतु नहरी जल आपूर्ति प्रभावित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. अनियमित मानसून पर निर्भरता

- अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में भी काफ़ी उतार-चढाव : क्षेत्र सूखा व बाढ़ दोनों सुभेद्य
- मरूस्थल में वर्षा बहुत कम तथा अत्यधिक अविश्वसनीय
- कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखा एक सामान्य परिघटना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शुष्क क्षेत्रों में आकस्मिक बाढ़

बाइमैर → फवाम
2006 बाढ़

- वर्ष 2006 और 2017 में
- महाराष्ट्र, गुजरात तथा राजस्थान



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

सूखा तथा बाढ़ भारतीय कृषि के जुड़वाँ संकट बने हुए हैं।

जुड़वा संकट

सुखा व बाढ



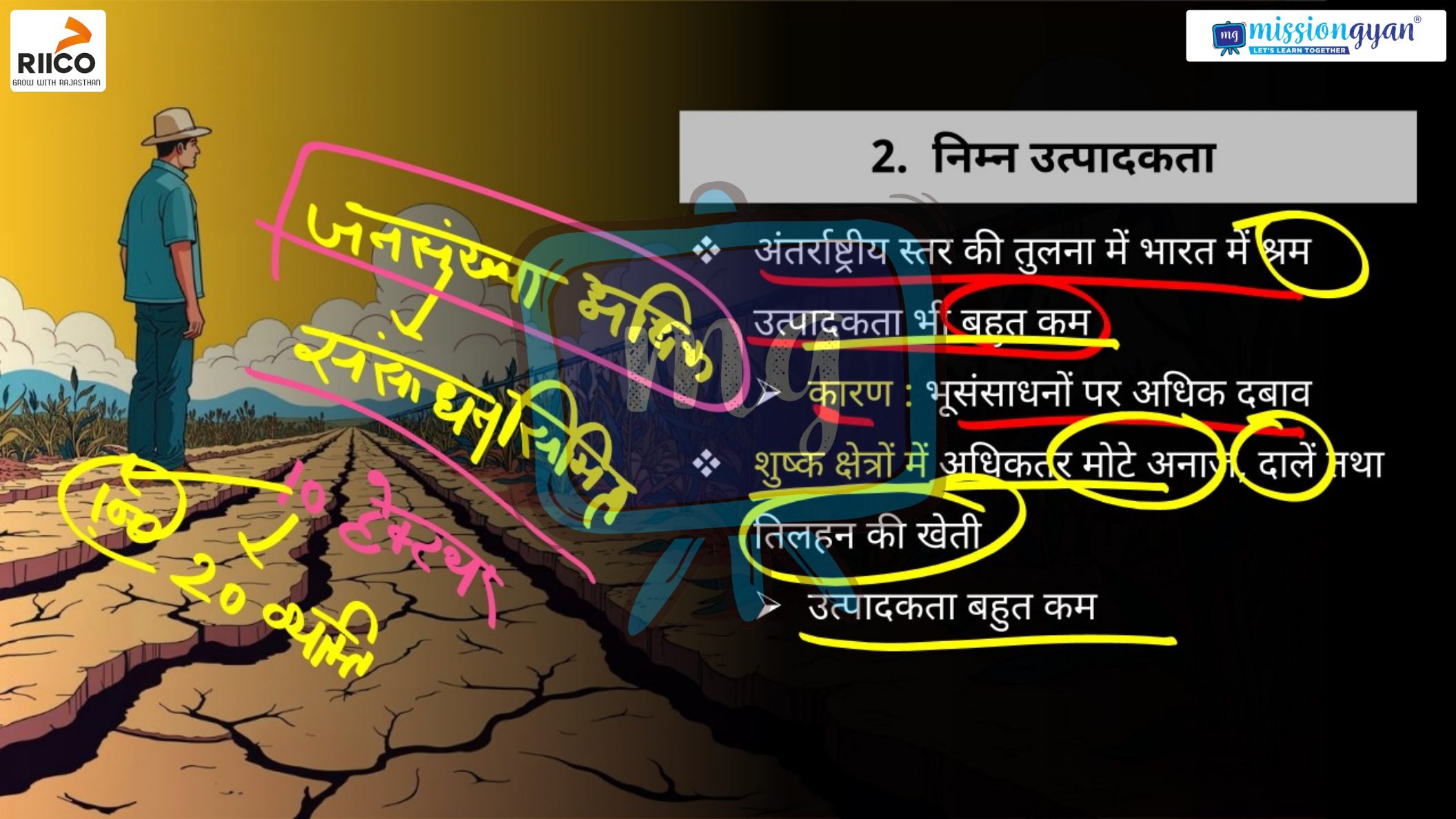
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्न उत्पादकता

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अपेक्षा भारत में उत्पादकता कम
- चावल, गेहूँ, कपास व तिलहन की प्रति हेक्टेयर पैदावार कम : अमेरिका, रूस तथा जापान में अधिक

सर्वाधिक हेक्टेयर
1
① U.S.A
② जापान
③ रूस

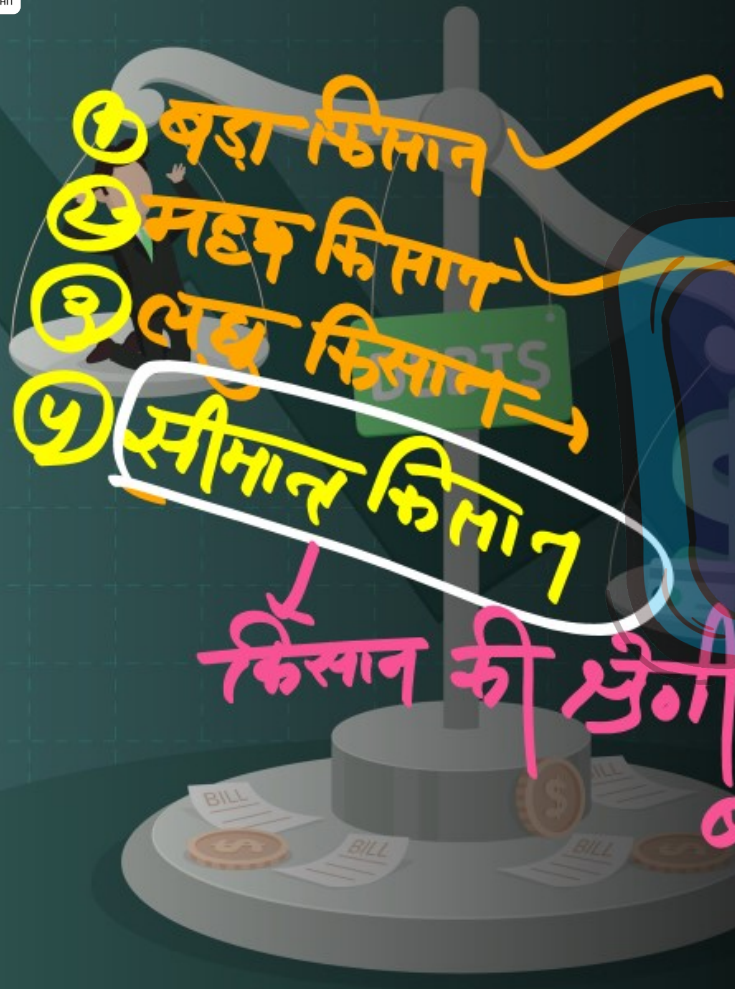


2. निम्न उत्पादकता

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तुलना में भारत में श्रम उत्पादकता भी बहुत कम
  - कारण : भूसंसाधनों पर अधिक दबाव
- शुष्क क्षेत्रों में अधिकतर मोटे अनाज, दालें तथा तिलहन की खेती
  - उत्पादकता बहुत कम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता

- आधुनिक कृषि में लागत बहुत अधिक
- सीमांत व छोटे किसानों की कृषि बचत कम
- सीमांत व छोटे किसान कृषि में निवेश करने में असमर्थ

किसानों की ऋणग्रस्तता

- विविध संस्थाओं तथा महाजनों से ऋण
- फसलों के खराब होने से कर्ज़ के जाल में फँसना



महाजन / बैंक
↓
फसल
↓
खराब
↓
ऋण → जाल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. भूमि सुधारों की कमी

- भूमि का असमान वितरण
- अंग्रेज़ी शासन के दौरान भू-राजस्व प्रणालियाँ :-



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

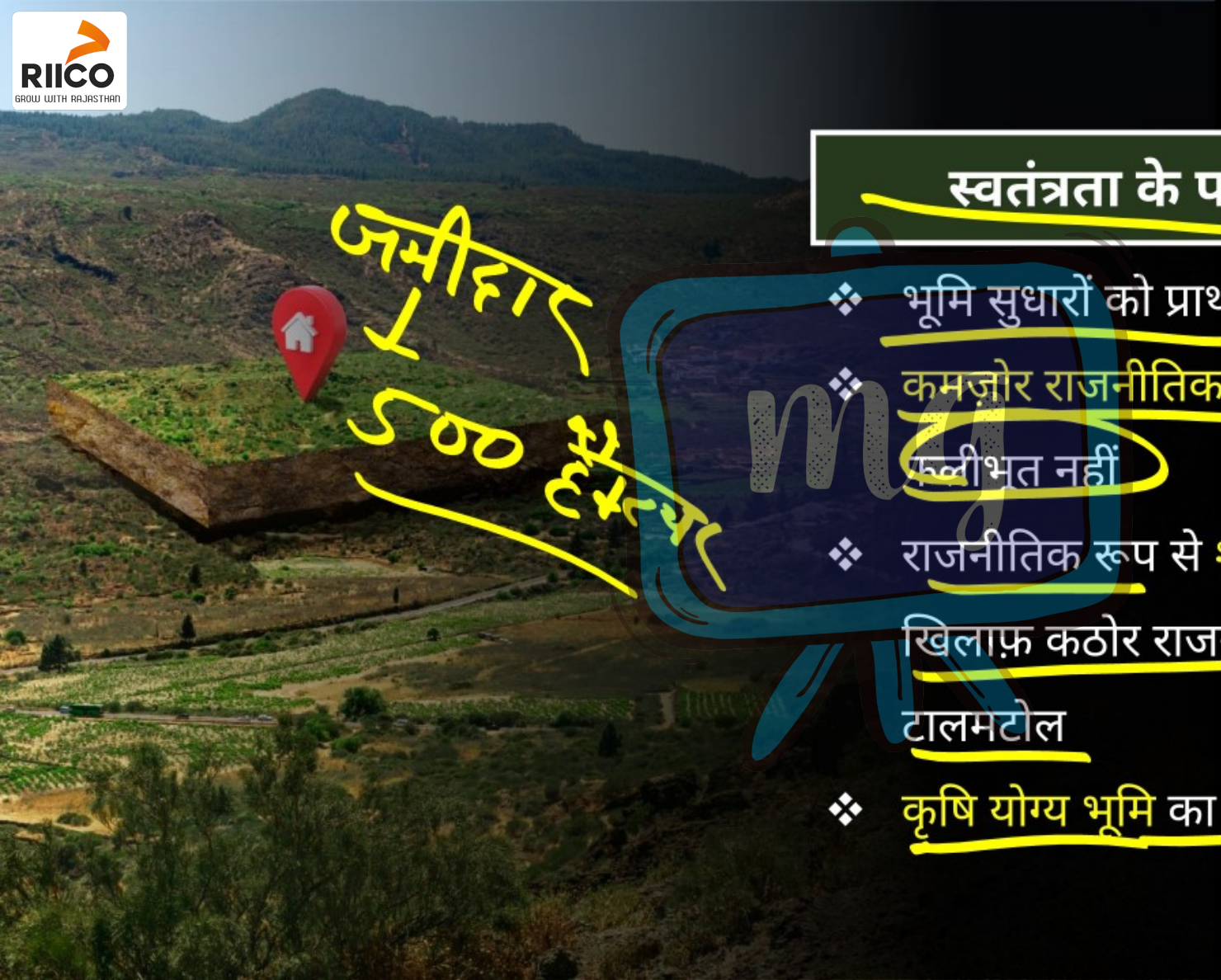
नोट

ज़मींदारी प्रथा किसानों के लिए सबसे अधिक शोषणकारी रही है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार

- भूमि सुधारों को प्राथमिकता
- कमज़ोर राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण पूर्णत: फलीभूत नहीं
- राजनीतिक रूप से शक्तिशाली जमींदारों के खिलाफ़ कठोर राजनीतिक निर्णय लेने में टालमटोल
- कृषि योग्य भूमि का असमान वितरण जारी रहा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारतीय कृषि की समस्याएँ

1. अनियमित मानसून पर निर्भरता
2. निम्न उत्पादकता
3. वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता
4. भूमि सुधारों की कमी
5. छोटे खेत तथा विखंडित जोत
6. वाणिज्यीकरण का अभाव
7. व्यापक अल्प रोज़गारी
8. कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. छोटे खेत तथा विखंडित जोत

- सीमांत तथा छोटे किसानों की संख्या अधिक
- 60% से अधिक किसानों के पास एक हेक्टेयर से छोटे भूजोत
- ~40% किसानों की जोतों का आकार 0.5 हेक्टेयर से भी कम
- भूजोतों का औसत आकार और भी कम : बढ़ती जनसंख्या

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राज्यों में भूजोतों से संबंधित समस्या



- अधिकतर भूजोत बिखरे हुए
- कुछ राज्यों में एक बार भी चकबंदी नहीं हुई
- कई राज्यों में पुनःचकबंदी की आवश्यकता

नोट

विखंडित व छोटे भूजोत आर्थिक दृष्टि से अलाभकारी हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



6. वाणिज्यीकरण का अभाव

- जीविकोपार्जी कृषि की अधिकता
- किसानों के पास अधिक उत्पादन के लिए पर्याप्त भू-संसाधन नहीं
- उपांत व छोटे किसानों द्वारा खाद्यान्नों की कृषि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि → सिंचाई → खेत

नोट

सिंचित क्षेत्रों में कृषि का आधुनिकीकरण तथा वाणिज्यीकरण हो रहा है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. व्यापक अल्प रोज़गारी

कृषि → २१ जून

- असिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अल्प रोज़गारी
- ऋत्विक बेरोज़गारी : 4 से 8 महीने तक
- फ़सल ऋतु में भी वर्ष-भर रोज़गार उपलब्ध नहीं
- कृषि कार्य लगातार गहन श्रम वाले नहीं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मिट्टी के उपजाऊ क्षमता में कमी

8. कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण

- **कारण :** सिंचाई और कृषि विकास की दोषपूर्ण नीतियाँ
- **प्रभाव :**

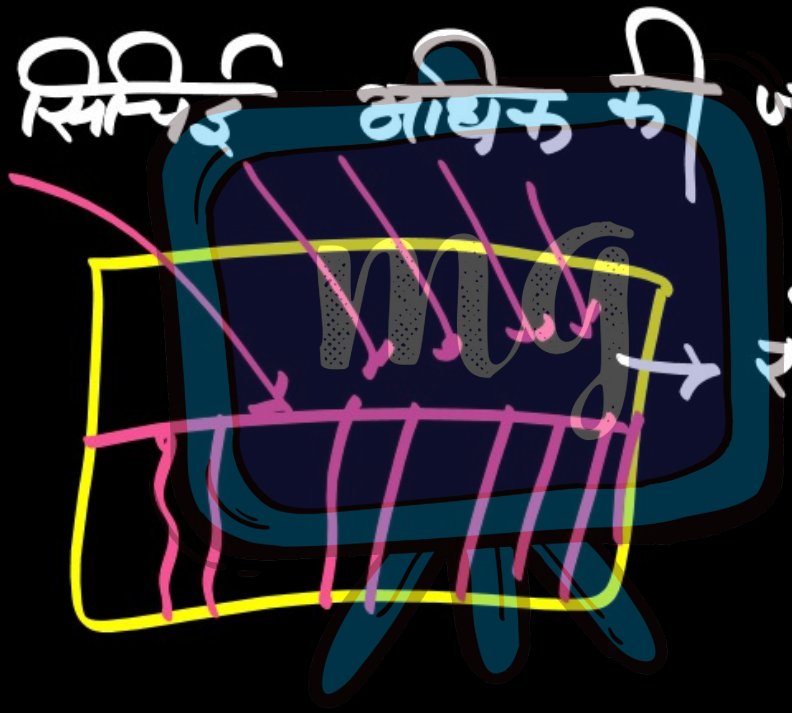
मृदा उर्वरता क्षीण	जलाक्रांतता
लवणता	मृदा क्षारता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपेक्षा-तो

५ जहाँ सिंचित भोजन की जाती है।



→ सेम समस्या

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सेम समस्या →

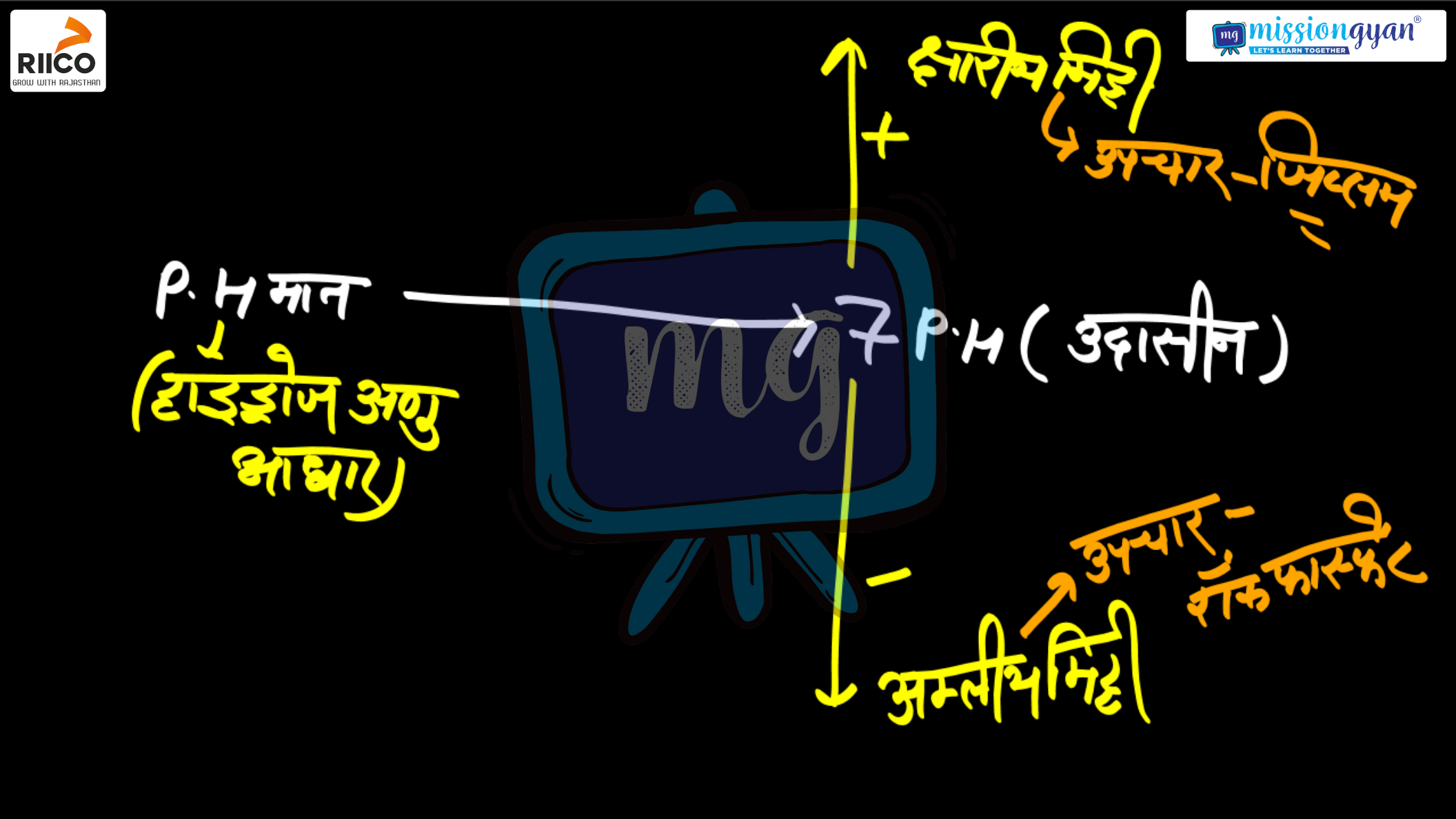
किसान खेत में अधिक सिंचाई करते हैं व जल निकास समुचित व्यवस्था नहीं करते हैं।

अतः वह दलदली क्षेत्र में परिवर्तित हो जाता है उसे सेम समस्या कहते हैं।

→ उपचार → जिप्सम, यूकेलिप्टस (सफेदा वृक्ष)।

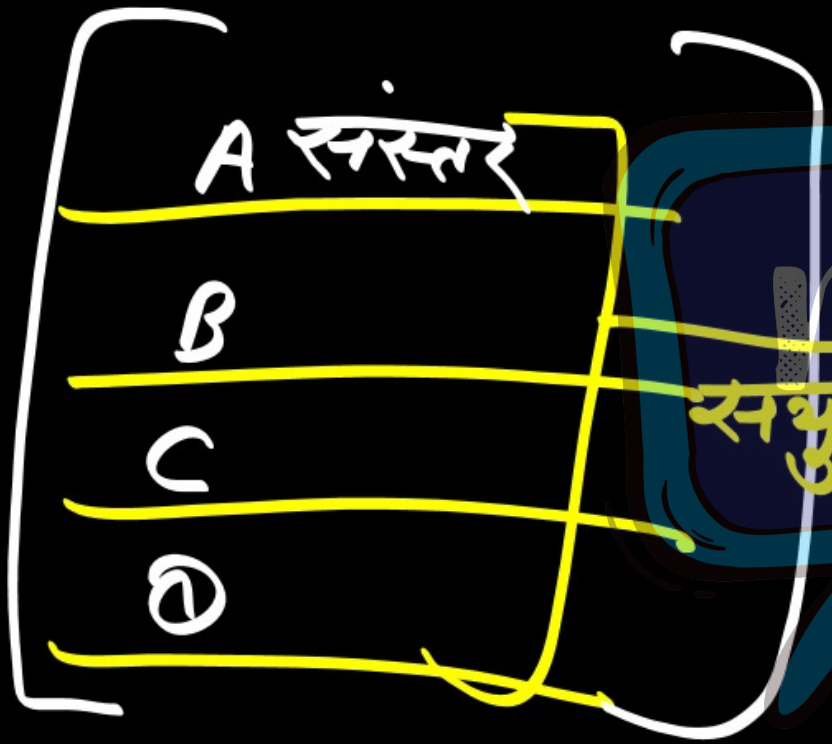
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नोट

कीटनाशक रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से मृदा परिच्छेदिका में जहरीले तत्वों का सांद्रण हो गया है।





सिंचित क्षेत्रों में प्रभाव

- फ़सल प्रतिरूप के दलहन (लेग्यूम) विस्थापित
- बहु-फ़सलीकरण से परती भूमि की मात्रा में कमी
- उर्वरकता पाने की प्राकृतिक प्रक्रिया अवरुद्ध

नोट

उष्ण कटिबंधीय आर्द्र व अर्ध शुष्क क्षेत्र भी कई प्रकार के भू-निम्नीकरण से प्रभावित हुए हैं, जैसे जल द्वारा मृदा अपरदन तथा वायु अपरदन जो प्राय: मानवकृत हैं।

आर्द्र → वर्षा → जल अपरदन

शुष्क → पवन

